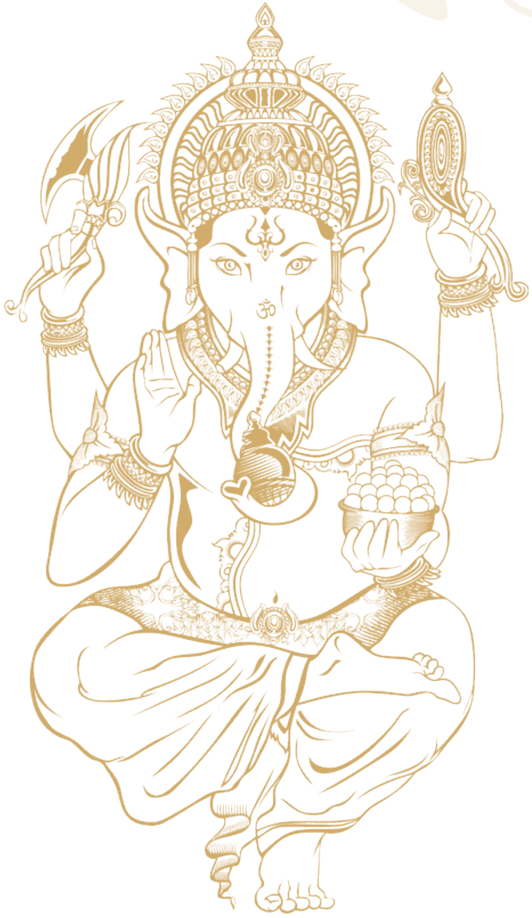

Satyam

23 Jul 2022

01:32 PM

Haridwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120918402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/07/2022**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**13:32:00 घंटे**
इष्ट	20:02:41 घटी
स्थान	**Haridwar**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	78:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:14:40 घंटे
वेलान्तर	-00:06:31 घंटे
साम्पातिक काल	09:18:51 घंटे
सूर्योदय	05:30:55 घंटे
सूर्यास्त	19:16:14 घंटे
दिनमान	13:45:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	06:18:19 कर्क
लग्न के अंश	18:40:08 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वृद्धि
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-एकलव्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:40:08	305:39:42	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	06:18:19	00:57:18	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			वृष	07:15:23	11:57:30	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मूलत्रिकोण
मंगल			मेष	18:12:43	00:40:01	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	स्वराशि
बुध		अ	कर्क	13:40:55	02:00:55	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
गुरु			मीन	14:29:54	00:01:05	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	स्वराशि
शुक्र			मिथु	12:11:53	01:12:35	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		मक	29:20:17	00:03:56	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु	व		मेष	25:51:59	00:01:22	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	25:51:59	00:01:22	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
हर्ष			मेष	24:19:34	00:01:33	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप	व		मीन	01:06:30	00:00:46	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो	व		मक	03:06:32	00:01:26	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			कर्क	23:05:36	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:08

लग्न-चलित

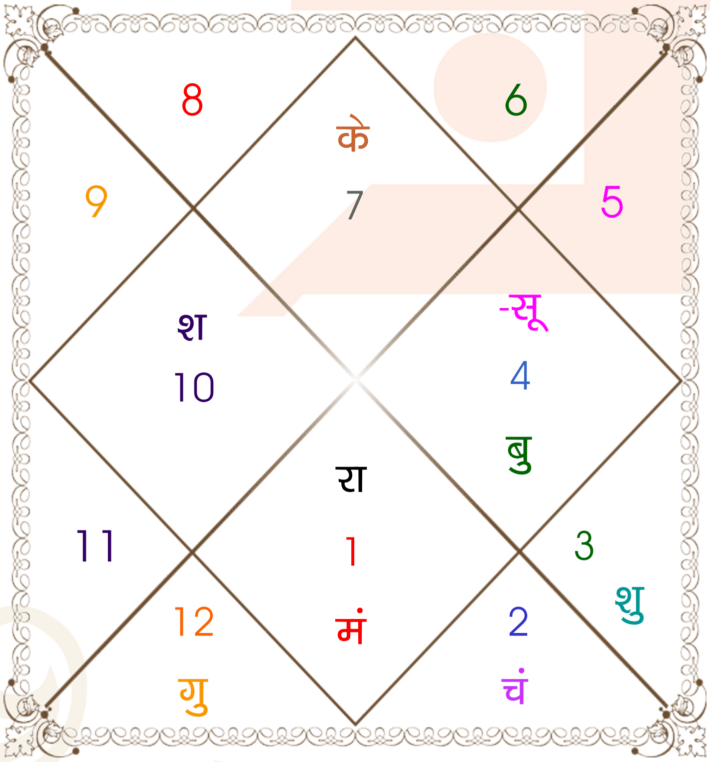

चन्द्र कुंडली

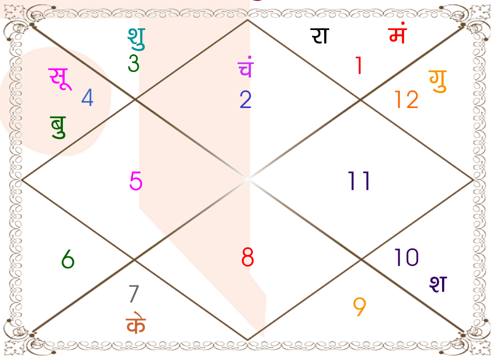

नवमांश कुंडली

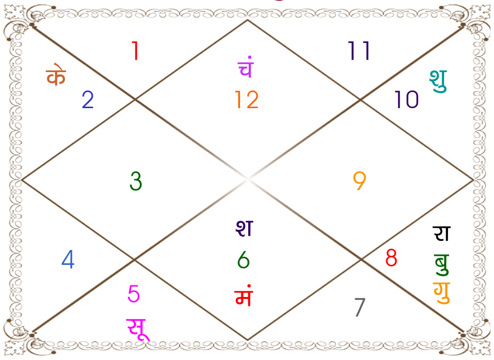

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 2 मास 24 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/07/2022		17/10/2023		16/10/2033		16/10/2040		17/10/2058	
17/10/2023		16/10/2033		16/10/2040		17/10/2058		17/10/2074	
	00/00/0000	चंद्र	16/08/2024	मंगल	15/03/2034	राहु	29/06/2043	गुरु	04/12/2060
	00/00/0000	मंगल	17/03/2025	राहु	02/04/2035	गुरु	22/11/2045	शनि	17/06/2063
	00/00/0000	राहु	16/09/2026	गुरु	08/03/2036	शनि	28/09/2048	बुध	22/09/2065
	00/00/0000	गुरु	16/01/2028	शनि	17/04/2037	बुध	17/04/2051	केतु	29/08/2066
	00/00/0000	शनि	17/08/2029	बुध	14/04/2038	केतु	05/05/2052	शुक्र	29/04/2069
	00/00/0000	बुध	16/01/2031	केतु	10/09/2038	शुक्र	06/05/2055	सूर्य	15/02/2070
	23/07/2022	केतु	17/08/2031	शुक्र	10/11/2039	सूर्य	29/03/2056	चंद्र	17/06/2071
केतु	17/10/2022	शुक्र	17/04/2033	सूर्य	17/03/2040	चंद्र	28/09/2057	मंगल	23/05/2072
शुक्र	17/10/2023	सूर्य	16/10/2033	चंद्र	16/10/2040	मंगल	17/10/2058	राहु	17/10/2074

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/10/2074		16/10/2093		18/10/2110		17/10/2117		17/10/2137	
16/10/2093		18/10/2110		17/10/2117		17/10/2137		00/00/0000	
शनि	20/10/2077	बुध	14/03/2096	केतु	16/03/2111	शुक्र	16/02/2121	सूर्य	04/02/2138
बुध	29/06/2080	केतु	11/03/2097	शुक्र	15/05/2112	सूर्य	16/02/2122	चंद्र	06/08/2138
केतु	07/08/2081	शुक्र	10/01/2100	सूर्य	20/09/2112	चंद्र	18/10/2123	मंगल	12/12/2138
शुक्र	07/10/2084	सूर्य	17/11/2100	चंद्र	21/04/2113	मंगल	17/12/2124	राहु	05/11/2139
सूर्य	19/09/2085	चंद्र	18/04/2102	मंगल	17/09/2113	राहु	18/12/2127	गुरु	23/08/2140
चंद्र	20/04/2087	मंगल	15/04/2103	राहु	06/10/2114	गुरु	18/08/2130	शनि	05/08/2141
मंगल	29/05/2088	राहु	02/11/2105	गुरु	11/09/2115	शनि	17/10/2133	बुध	12/06/2142
राहु	05/04/2091	गुरु	08/02/2108	शनि	20/10/2116	बुध	17/08/2136	केतु	24/07/2142
गुरु	16/10/2093	शनि	18/10/2110	बुध	17/10/2117	केतु	17/10/2137		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 2 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरुद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।